आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 15.07.2025 **समय : 0705**

- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा – भारत दुनिया के एक स्वास्थ्य सेवा केंद्र में बदल गया है।**
- **आयुष मंत्रालय, आयुर्वेद और शल्य चिकित्सा पद्धति को वैश्विक मान्यता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।**
- **पर्यटन विभाग की ओर से कल मसाला महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।**
- **केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कम्पार्टमेंट परीक्षाएँ आज से शुरू।**

<><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि भारत दुनिया के एक स्वास्थ्य सेवा केंद्र में बदल गया है। यह बहुत ही उचित कीमतों पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा पेश किए गए उपचारों की सर्वोत्तम गुणवत्ता के कारण संभव हुआ है। ओडीशा भुवनेश्वर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने कहा कि देश–दुनिया के रोगी इन संस्थानों में इलाज के लिए आ रहे हैं। राष्ट्रपति ने समाज में अवसाद और मोटापे के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने चिकित्सकों से नियमित योग, प्राणायाम और स्वस्थ भोजन के साथ–साथ एक बेहतर जीवन शैली के लिए रोगियों को परामर्श देने का आग्रह किया।

<><><><><><><>

आयुष मंत्री प्रतापराव गणपतराव जाधव ने कहा है कि पूरी दुनिया अब आयुर्वेद के वैज्ञानिक आधार, उपयोगिता और अपार संभावनाओं को समझ कर अपना रही है। उन्होंने यह बात कल नई दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के शल्यकॉन 2025 के उद्घाटन समारोह में कही। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय आयुर्वेद और शल्य चिकित्सा पद्धतियों के निरंतर विकास के साथ–साथ उन्हें वैश्विक मान्यता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। शल्यकॉन 2025, शल्य प्रणाली पर एक तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन है। यह कार्यक्रम सुश्रुत जयंती के अवसर पर शल्य चिकित्सा के प्रणेता आचार्य सुश्रुत की विरासत का सम्मान करते हुए आयोजित किया जा रहा है।

<><><><><><><>

ब्रुक्शाबाद स्थित कामराज अंग्रेजी माध्यम स्कूल आज भारत रत्न के. कामराज की 123वीं जयंती मना रहा है। कार्यक्रम सुबह साढ़े दस बजे स्कूल परिसर में आयोजित होगा। इस अवसर पर के. कामराज एसोसिएशन के महासचिव ए आर मणिक्कम मुख्य अतिथि होंगे।

<><><><><><><>

पशुपालन एवं डेयरी विभाग की ओर से हाल ही में विज्ञान भवन, नई दिल्ली में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन हेतु भारत के पशुपालन क्षेत्र के आधुनिकीकरण पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें केंद्र सरकार, राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों के अधिकारियों, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, दुग्ध संघों और देश भर के उनके प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। अंडमान निकोबार केंद्रशासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा के निदेशक ने किया। इस अवसर पर भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग की सचिव अलका उपाध्याय ने कहा कि पशुपालन एक नकदी उत्पादक क्षेत्र है, जो देश के कुल सकल कृषि मूल्य संवर्धन में तीस दशमलव सात प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने आधुनिक, लचीले पशुपालन के लिए वैश्विक मानकों के अनुरूप राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नवाचार, बेहतर गुणवत्ता और मजबूत सहयोग की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला में उत्तरी, पश्चिमी, दक्षिणी, पूर्वी और उत्तर–पूर्वी राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ चार क्षेत्रीय सत्र शामिल थे। प्रत्येक सत्र में क्षेत्र–विशिष्ट चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की गई, जिसमें उत्पादकता बढ़ाने, रोगों पर नियंत्रण और स्थायी पशुधन प्रथाओं को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

<><><><><><><>

पर्यटन विभाग की ओर से कल मसाला महोत्सव – 2025 मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य द्वीपसमूह में उगाए जाने वाले मसालों के पाककला, औषधीय और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ावा देना और पर्यटकों को एक कृषि–पर्यटन अनुभव प्रदान करना है। यह महोत्सव संस्कृति, व्यंजनों और कृषि–आधारित गतिविधियों के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पर्यटकों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस महोत्सव के एक भाग के रूप में, प्रतिभागी द्वीपसमूह के प्रमुख मसाला केंद्रों का भ्रमण करेंगे। इनमें रंगाचांग स्थित पद्मश्री कमाची चेल्लम्मल (नारियल अम्मा) के प्रसिद्ध फार्म, सिप्पीघाट स्थित कृषि विज्ञान केंद्र और कैडलगंज स्थित जंगली मिर्ची रिज़ॉर्ट के जैविक फार्म शामिल है। महोत्सव के दौरान बागान भ्रमण और मसाला कटाई, मसाला प्रसंस्करण और पैकेजिंग तकनीकों पर लाइव प्रदर्शन और पारंपरिक व्यंजनों में स्थानीय रूप से उगाए गए मसालों के उपयोग को प्रदर्शित करने वाले क्यूरेटेड पाककला सत्र का आयोजन किया जाएगा। पर्यटन विभाग ने बस सेवा की व्यवस्था भी की है, जो सुबह साढ़े आठ बजे सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय से प्रस्थान करेगी। इसके भाग

लेने के इच्छुक पर्यटक, हितधारक, पर्यटक गाइड प्रशिक्षु, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े छात्र अपना नाम और विवरण आज शाम 3 बजे तक निदेशालय के प्रबंधक के फोन नम्बर 9933255364 पर भेज सकते हैं।

<><><><><><><>

द्वीपसमूह में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड –सीबीएसई की कम्पार्टमेंट परीक्षाएँ आज से शुरू होंगी। कक्षा बारहवीं की परीक्षा आज होगी, जबकि कक्षा दसवीं के छात्रों की परीक्षा आज से बाईस जुलाई तक आयोजित की जाएगी। कक्षा दसवीं और बारहवीं में कम्पार्टमेंट और इम्प्रूवमेंट परीक्षाओं में शामिल होने वाले संभावित छात्रों की कुल संख्या एक हजार दौ सौ तिरपन है, जिनमें से कक्षा दसवीं में पांच सौ चौहत्तर और कक्षा बारहवीं में छः सौ उन्यासी विद्यार्थी शामिल हैं। द्वीपों में कुल बारह परीक्षा केंद्र बनाए गए है। सी बी एस ई द्वारा परीक्षा संबंधी गोपनीय सामग्री की सुरक्षा हेतु राष्ट्रीयकृत बैंक और पुलिस स्टेशन को भी संरक्षक के रूप में चिन्हित किया गया है। परीक्षाओं की पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र अधीक्षकों की नियुक्ति की गई है।

<><><><><><><>

केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी गाँवों को विकसित करने का आह्वान किया है। श्री चंद्रशेखर ने कल नई दिल्ली में ग्रामीण विकास मंत्रालय की कार्य निष्पादन समीक्षा समिति की पहली बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में ग्रामीण विकास मंत्रालय की भूमिका पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार केवल योजनाओं का क्रियान्वयन ही नहीं कर रही है, बल्कि भारत की विकास गाथा का अगला अध्याय भी लिख रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना – ग्रामीण का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इसकी शुरुआत के बाद से कच्चे घरों में रहने वाले ग्रामीण परिवारों के लिए तीन करोड़ 22 लाख से ज़्यादा पक्के घर बनाए जा चुके हैं और 2029 तक दो करोड़ अतिरिक्त घर बनाने का लक्ष्य है।

<><><><><><><>

एम वी कैंपबेल बे, आज सुबह नौ बजे ननकौड़ी होते हुए कैंपबेल बे के लिए रवाना होगा। जहाज में कुल 462 यात्री सवार है। इसमें कुल 25 मीट्रिक टन माल भी ले जाया जा रहा है। जहाज हैडो जेट्टी से छूटेगा।

<><><><><><><>

कैम्पबेल बे के गांधी नगर और शास्त्री नगर में कल सावन का पहला सोमवार मनाया गया। इस अवसर पर 5 किलोमीटर की लंबी कांवड़ जल यात्रा निकाली गई। उसके बाद शिव मंदिर पुलिस चौकी में जल कुंड का अभिषेक, हवन, आरती, प्रसाद वितरण और शास्त्री नगर मंदिर समिति द्वारा महाभोग का आयोजन किया गया। इसमें 40 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

<><><><><><><>

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कल नई दिल्ली में राज्यों के श्रम और उद्योग मंत्रियों के साथ आभासी माध्यम से उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक का उद्देश्य रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना–ईएलआई के प्रभावी क्रियान्वयन के तौर–तरीकों पर विचार–विमर्श करना और सहयोगात्मक उपायों का पता लगाना था। डॉ. मांडविया ने ज़ोर देकर कहा कि ईएलआई योजना, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना–पीएलआई के बाद दूसरा कदम है। उन्होंने राज्यों से मीडिया ब्रीफिंग, टेलीविजन और रेडियो साक्षात्कारों तथा लोगों तक पहुंचने के अन्य साधनों द्वारा योजना का सक्रिय प्रचार करने को कहा। उन्होंने जमीनी स्तर पर व्यापक योजना के साथ जागरूकता बढ़ाने पर ज़ोर दिया।

<><><><><><><>